

प्रेस नोट

भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली के 62वें दीक्षांत समारोह के दौरान पीएचडी छात्रों की प्रस्तुतियां
05.02.2024

भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का 62वां दीक्षांत सप्ताह (4-9 फरवरी, 2024) दिनांक 04 फरवरी, 2024 को बी.पी. पाल सभागार में योग्यता पदक और वार्षिक सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कारों के लिए चयनित एम.एससी/ एम.टेक छात्रों के द्वारा "महत्वपूर्ण स्नातकोत्तर छात्रों" के शोध की प्रस्तुतियों के साथ अकादमिक उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ।

दूसरे दिन के सत्र में पूर्व उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., डॉ. अरविंद कुमार तथा कुलपति आरएलबीसीएयू, झाँसी और संयोजक डॉ. अनिल दहूजा, प्रोफेसर, जैव रसायन संभाग तथा समन्वयक, आईक्यूएसी की अध्यक्षता में पीएचडी छात्रों द्वारा मेरिट मेडल और नाबार्ड प्रोफेसर वीएल चोपड़ा गोल्ड मेडल तथा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कारों के लिए "महत्वपूर्ण स्नातकोत्तर छात्रों के शोध" विषय पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. अनुपमा सिंह, अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा) ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में संस्थान के अध्यक्ष, निर्णायक मंडल, संकाय सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने सदन को यह भी संबोधित किया कि योग्यता पदक और पुरस्कार के लिए कुल 23 प्रस्तुतियां प्रस्तुत की जाएंगी। छात्रों के प्रमुख शोध कार्य हैं - एंथोसायनिन के राल सहायता प्राप्त शुद्धिकरण तंत्र का मूल्यांकन; भारत में महत्वपूर्ण अनाजों का बहु-बाजार और बहु-क्षेत्रीय विश्लेषण; सब्जियों की शोल्फ-लाइफ बढ़ाने के लिए वैक्यूम संसेचन प्रौद्योगिकी का विकास; बायोस्फीयर रिजर्व और विरासत क्षेत्रों के समुदायों के बीच आजीविका और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर विश्लेषणात्मक अध्ययन; थर्मल और ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग के माध्यम से गेहूं की धारीदार रतुआ और चना मुरझान का आकलन; कृषि में अस्थिरता को प्रग्रहण करने हेतु तरंगिका-आधारित अरेखीय समय श्रृंखला मॉडल पर अध्ययन; दीर्घकालिक संरक्षण कृषि-आधारित मक्का-गेहूं प्रणाली में उपज और नाइट्रोजन की गतिशीलता पर जुताई और नाइट्रोजन प्रबंधन के प्रभाव की निदर्श रचना करना; धान के जीनोटाइप में प्रजनन चरण अनावृष्टि पर एमआईआरएनएओम मॉडूलन को समझना; कृषि संबंधी महत्वपूर्ण मेटागेनोमिक्स डेटा से प्राकृतिक उत्पादों की खोज में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस की भूमिका; ब्रैसिका जंसिया (एल.) कर्जन और क्रॉस तथा लिपाफिस एरिसिमी (कल्टेनबैक) की लोकप्रिय किस्मों के बीच जैविक और जैव रासायनिक संपर्क को स्पष्ट करना; भारतीय सरसों में परागण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर ऊंचे ओजोन, कार्बन डाइऑक्साइड और उनकी अन्योन्यक्रिया का प्रभाव; गेंदों में गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षणों के लिए पुंजनक के माध्यम से दोगुना अगुणित का प्रेरण और दोगुना अगुणित-आधारित संकर का लक्षण वर्णन; किन्नु मंदारिन में आणविक मार्करों का उपयोग करके इन विट्रो उत्परिवर्तन और उत्परिवर्ती का मान्यकरण; मक्का में अष्टि तेल की आनुवंशिक परिवर्तनशीलता, आणविक लक्षण वर्णन और मार्कर-सहायता संवर्धन का विश्लेषण; गेहूं में गर्मी के तनाव का माइक्रोबायोम मध्यस्थता प्रबंधन; चने में प्रमुख जीन की पहचान के लिए सूखा सहिष्णुता मार्गों को प्रभावित करने वाले एपिजेनेटिक नियामक तंत्र को समझना; प्रमुख गुणवत्ता लक्षणों के लिए लोबिया जर्मप्लाज्म का जीनोम-वाइड एसोसिएशन मैपिंग; सरसों के मोजेक रोग से जुड़े वायरस की पहचान और लक्षण वर्णन के लिए विरोम विश्लेषण; कैल्शियम सिग्नलिंग नेटवर्क जीन का जीनोम-विस्तृत विश्लेषण और गेहूं की ब्रेड की नाइट्रोजन प्रतिक्रिया में उनकी भूमिका; धान में बीज के अंकुरण और अंकुर वृद्धि के दौरान थर्मोटॉलरेंस और इसके प्रेरण पर अध्ययन; धान के अवशिष्टों और फास्फोरस में घुलनशील सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके मिट्टी

में फास्फोरस का घुलनशीलीकरण; खीरे में उच्च तापमान सहनशीलता के लिए भौतिक-जैव रासायनिक और आणविक आधार को समझना; बायोगैस डाइजेस्टेट के साथ ड्रिप पोषण के लिए फिल्टर का विकास । अध्यक्ष महोदय द्वारा स्नातकोत्तर अनुसंधान की गुणवत्ता की सराहना की गई और छात्रों को कृषि विज्ञान की उन्नति के लिए गुणवत्तापूर्ण जानकारी उत्पन्न करने के लिए गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सौजन्य
भा.कृ.अनु.सं. मीडिया प्रकोष्ठ, नई दिल्ली